केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 269 सोमवार 28 अप्रैल 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

क्रिकेट को लेकर विवाद, दबंगों ने मार डाला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । नगर थाना क्षेत्र में रविवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई। नगर बाजार में बच्चों के बीच क्रिकेट खेलने को लेकर हुए विवाद में बीच–बचाव करने गए 55 वर्षीय साजन की मौत हो गई।दबंगों ने साजन पर लाठी–डंडों से हमला कर दिया।

उनकी हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें सीएचसी कलवारी ले गए। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बस्ती रेफर किया। रास्ते में ही साजन की मौत हो गई। जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मृतक की पत्नी सुमन ने नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि साजन विवाद सुलझाने गए थे। हमलावरों ने बचाने आए उनके बेटे की भी पिटाई की। घटना से इलाके में तनाव का माहौल है।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अपर पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह के अनुसार मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की तलाश जारी है। साजन की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पूरे इलाके में शोक की लहर है।

सड़क पर फेकी मिलीं स्कूली बच्चों की दवाएं

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सल्टौवा गोपालपुर ब्लॉक स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय के पीछे सड़क किनारे सरकारी दवाएं मिली हैं।ये दवाएं सरकार द्वारा स्कूली बच्चों के लिए भेजी गई थीं। इनमें आयरन और कैल्शियम की गोलियां शामिल हैं। स्थानीय लोगों ने सड़क पर दवाओं का ढेर देखकर अधिकारियों को सूचित किया। यह पहली बार नहीं है जब इस तरह की घटना सामने आई है। इससे पहले कुदरहा ब्लॉक के ग्राम पंचायत शिवपुर के पास भी सरकारी दवाएं फेंकी गई थीं। उस मामले की जांच अभी तक पूरी नहीं हुई है।

स्थानीय नागरिकों ने इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। इस घटना से सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर सवाल उठ रहे हैं।

पैरामेडिकल कॉलेज के प्रबंधक पर धोखाधड़ी का आरोप

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मड़वानगर स्थित एस. एन. पैरामेडिकल कॉलेज के प्रबंधक पर धोखाधड़ी का आरोप लगा है। कोतवाली थाना क्षेत्र की बनकटा निवासी मीरा कुमारी और उनकी बहन ने ए.एन.एम. कोर्स में दाखिला लिया था।कॉलेज प्रबंधक अभिषेक दूबे ने अब्दुल कलाम विश्वविद्यालय से मान्यता होने का दावा किया।

दोनों बहनों ने 7 जून 2022 को नामांकन फीस के रूप में 50,000 रुपये जमा किए। छह महीने बाद प्रबंधक ने कॉलेज की मान्यता रद्द होने की जानकारी दी। फिर भी उन्होंने छात्राओं को भरोसा दिलाया कि उनका पैसा और समय बर्बाद नहीं होगा। इसके बाद प्रबंधक ने परीक्षा, एडमिट कार्ड और सर्टिफिकेट के नाम पर 1,05,000 रुपये और वसूल लिए। जब छात्राओं ने पैसे वापस मांगे तो प्रबंधक ने अभद्र व्यवहार करते हुए पैसे लौटाने से मना कर दिया। पीड़ित छात्राओं ने प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। उनका कहना है कि इस धोखाधड़ी से उन्हें आर्थिक और मानसिक नुकसान हुआ है। कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एनआईए ने शुरू किया पहलगाम हमले की जांच

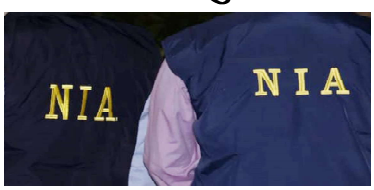

नई दिल्ली (आभा)। एनआईए ने पहलगाम आतंकी हमले की जांच शुरू कर दी है। एजेंसी ने रविवार को जम्मू–कश्मीर पुलिस से जांच का जिम्मा लिया और चश्मदीदों से पूछताछ शुरू की। जांच एजेंसी पहलगाम आतंकी हमले में शामिल आतंकियों के आने–जाने के बारे में सुराग जुटाने की कोशिश कर रही है।

एनआईए की टीम में एक पुलिस महानिरीक्षक, एक पुलिस उपमहानिरीक्षक और एक पुलिस अधीक्षक शामिल हैं। अधिकारियों ने कहा कि एनआईए की टीमें आतंकवादियों के बारे में सुराग पाने के लिए प्रवेश और निकास बिंदुओं की गहन जांच कर रही हैं। उन्होंने कहा कि फोरेंसिक और अन्य विशेषज्ञों की मदद से टीमें पूरे इलाके की गहन जांच कर रही हैं ताकि उस आतंकी साजिश का पता लगाया जा सके, जिसके कारण यह भयानक हमला हुआ।

एनआईए की जांच इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि 22 अप्रैल को हुए हमले में एक नेपाली नागरिक समेत 26 पर्यटक मारे गए थे। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब कश्मीर में पर्यटकों की आमद बढ़ रही है और 38 दिवसीय अमरनाथ यात्रा भी 3 जुलाई से शुरू होने वाली है। इसलिए पहलगाम आतंकी हमले की हर पहलू से जांच करना जरूरी है।एनआईए ने यह कदम ऐसे समय उठाया है जब खुफिया एजेंसियां घ्ध्केंद्र शासित प्रदेश में सक्रिय रूप से सक्रिय 14 स्थानीय आतंकवादियों की सूची तैयार कर रही हैं। सूत्रों के अनुसार, 20 से 40 वर्ष की आयु के ये लोग पाकिस्तान से विदेशी आतंकवादियों को रसद और जमीनी सहायता प्रदान करके सक्रिय रूप से सहायता कर रहे हैं।

नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने किया नगर विकास मंत्री का स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को नगर पालिका परिषद अध्यक्ष नेहा वर्मा, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अंकुर वर्मा ने भाजपा नेताओं, सभासदो के साथ नगर विकास और ऊर्जा मंत्री अरविन्द कुमार शर्मा का बडे बन के निकट फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष नेहा वर्मा ने नगर विकास मंत्री अरविन्द कुमार शर्मा से विकास कार्यों को पूरा कराने के लिये धनराशि उपलब्ध कराने, इस पर श्री शर्मा ने कहा कि शीघ्र ही समस्याओं का निस्तारण कराया जायेगा। नगर विकास मंत्री सड़क मार्ग से गोरखपुर जा रहे थे।

भाजपा नेता अंकुर वर्मा ने नगर विकास मंत्री अरविन्द कुमार शर्मा को नगर पालिका के स्थितियों के बारे में जानकारी दिया और आग्रह किया कि प्रस्तावों को शीघ्र स्वीकृति मिले जिससे विकास कार्यो को प्राथमिकता से पूरा कराया जाय।

–पालिका क्षेत्र के विकास के लिये नगर विकास मंत्री से मांगा बजट

नगर विकास मंत्री अरविन्द कुमार शर्मा का स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से सभासद मंजू श्रीवास्तव, परमेश्वर शुक्ल पप्पू, दिनेश गुप्ता, प्रफुल्ल श्रीवास्तव, रमेश गुप्ता, मो. इब्बू, प्रमोद गुप्ता, फिरोज अहमद, सुभाष श्रीवास्तव, अभिजीत सिंह, रवि पासवान, महेन्द्र सोनकर, शोभी सोनकर के साथ ही सचिन शुक्ल, दीपानन्द श्रीवास्तव, प्रमोद कन्नौजिया, विकास वर्मा, दुर्गेश त्रिपाठी, ऋषि मश्र, राहुल श्रीवास्तव, सत्येन्द्र मिश्र, अमन श्रीवास्तव, पवन वर्मा, सुरेन्द्र श्रीवास्तव, आदर्श पाठक, सूरज गुप्ता, पार्थ श्रीवास्तव, पवन अग्रहरि, रोहन श्रीवास्तव, विक्रम चौहान, विवेक श्रीवास्तव, सन्तोष भारद्वाज, अरूण पाण्डेय, विनय राजपूत के साथ ही अनेक लोग शामिल रहे।

भूपेन्द्र कुमार बस्ती सदर, नौमी प्रसाद हर्रैया से बसपा विधानसभाध्यक्ष बने

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बहुजन समाज पार्टी जिलाध्यक्ष अनिल कुमार गौतम द्वारा जनपद स्तर पर समीक्षा के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री मायावती की संस्तुति पर बस्ती सदर और हर्रैया के पदाधिकारियों की घोषणा किया है।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से बसपा जिलाध्यक्ष ने बताया कि बस्ती सदर में भूपेन्द्र कुमार विधानसभाध्यक्ष, तवारक अली उपाध्यक्ष, उमाशंकर गौतम महासचिव, सुरेन्द्र कुमार सचिव, जोगेन्द्र चौधरी कोषाध्यक्ष और आदित्य राना को बी.वी.एफ. संयोजक मनोनीत किया गया है।

इसी कड़ी में हर्रैया विधानसभा क्षेत्र में नौमी प्रसाद विधानसभाध्यक्ष, प्रभात वर्मा उपाध्यक्ष, साधूसरन महासचिव, अवनीश राज सचिव, आफताब आलम कोषाध्यक्ष और अमित कुमार को बी.वी.एफ. संयोजक मनोनीत किया गया है।

आधुनिक रूप से विकसित होगा सरदार पटेल छात्रावास

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। सरदार पटेल स्मारक संस्थान की त्रैमासिक बैठक रविवार को संस्थान के सभागार में ओम प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में छात्रावास को आधुनिक रूप से सुसज्जित किये जाने, डिजिटल पुस्तकालय की रूप रेखा पर विचार किया गया। महामंत्री डॉ. सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी ने आय व्यय का ब्यौरा देते हुये बताया कि परस्पर सहयोग से छात्रावास को निरन्तर चरणबद्ध ढंग से विकसित कराया जा रहा है।

बैठक में विधायक राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, डा. आर.पी. वर्मा, अमित चौधरी, ई. श्यामलाल, ई. विक्रम आदि ने महत्वपूर्ण सुझाव दिये। मुख्य रूप से रामजी चौधरी, भानु प्रताप चौधरी, प्रेमचन्द्र पटेल, डा. श्याम नरायन, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, अवनि कुमार चौधरी, गौरव चौधरी, धर्मदेव पटेल, राकेश चौधरी, राम कमल वर्मा, राम कृपाल चौधरी, राजमणि चौधरी, कमलेश कुमार चौधरी, रोहित चौधरी, सुजीत चौधरी, रामतेज चौधरी के साथ ही संस्थान के पदाधिकारी सदस्य उपस्थित रहे।

सांसद रामजी लाल सुमन पर हमले से बिफरे अखिलेश यादव

लखनऊ (आभा)। समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन के काफिल पर हमले से सपा प्रमुख अखिलेश यादव बुरी तरह बिफर गए हैं। अखिलेश यादव ने यहां तक कह दिया कि भाजपाई और इनके संगी साथी भी एक दिन इसी तरह के हिंस तत्वों का शिकार होंगे। अखिलेश ने हमले के समय की वीडियो और तस्वीरें एक्स पर शेयर करते हुए कहा कि वहां मौजूद टायरों का बंडल यह गहरी साजिश का सबूत है। सवाल किया कि यह इंटेलिजेंस की गहरी चूक है या फिर जानबूझकर की गई अदेखी है। अखिलेश ने कहा कि अब क्या बुलडोजर का दम बेदम हो गया है या उप्र की सरकार ने अराजकता के आगे समर्पण कर दिया है या फिर ये सब उप्र सरकार की रजामंदी से हो रहा है?

सपा के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन रविवार की दोपहर बुलंदशहर में मारी गई दलित महिला के परिजनों से मिलने जा रहे थे। इसी दौरान करणी सेना और क्षत्रिय समाज से जुड़े युवकों ने अलीगढ़ में हमला किया है। उनके काफिले की गाड़ियों पर पत्थर और टायर फेंके गए। इनसे बचने के चक्कर में भागी कई गाड़ियां आगे चलकर आपस में ही टकरा गई थीं। करणी सेना ने पहले ही सुमन पर अलीगढ़ से गुजरने पर हमले की चेतावनी दी थी। इसके बाद भी कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने पर अखिलेश यादव बिफरे हैं।

अखिलेश ने कहा कि सांसद रामजी लाल सुमन के काफिले पर टायर व पत्थर फेंककर, उनके ऊपर जो जानलेवा हमला हुआ है वो उस ऐक्सीडेंट का कारण बना है, जो प्राणांतक दुर्घटना में भी बदल सकता था। ये एक आपराधिक कृत्य है। इतने टायर एक साथ इकट्ठा करना, एक गहरी साजिश का सबूत खुद्द है।

कुएं में समाई वैन, 11 की मौत

मंदसौर (आभा)। मध्य प्रदेश के मंदसौर में एक भीषण सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई है। बताया जाता है कि एक तेज स्पीड चार पहिया वाहन अचानक बेकाबू हो गया। वाहन एक बाइक को टक्कर मारते हुए कुएं में जा गिरा। हादसे में बाइक सवार की भी मौत हो गई। हादसे के बाद पुलिस टीमें मौके पर पहुंचीं और बचाव कार्य शुरू किया। इको वाहन तेज स्पीड में था। स्थानीय लोगों का कहना है कि तेज रफ्तार और सामने आए मोड़ के कारण ड्राइवर ने वाहन से कंट्रोल खो दिया जिससे यह भयानक हादसा हुआ।

युगों तक याद किये जायेंगे बाबा साहेब, गोष्ठी में विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बाबा साहब जयन्ती के उपलक्ष्य में कार्यक्रमों का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में बनकटी विकास खण्ड क्षेत्र के मस्जिदिया में सामाजिक कार्यकर्ता इन्द्रसेन राव, श्रीकान्त भास्कर, भरत कुमार जयमल, राजेश कुमार, चिरंजीवलाल के संयोजन में गोष्ठी, सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि डा. वी.के. गौतम ने कहा कि भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर दलितों के महान नेता थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन दलित उत्थान के लगा दिया। उन्होंने हमेशा समानता की बात की फिर चाहे वह मानवों के बीच समानता की बात हो या फिर कानून के समक्ष समानता की। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। विशिष्ट अतिथि के.पी. राठौर, फिरंगी प्रसाद ने कहा कि बाबा साहेब ने जीवन भर छुआछूत, जातिवाद और सामाजिक भेदभाव के खिलाफ संघर्ष किया। उन्होंने शिक्षा को सबसे बड़ा हथियार बताया और कहा कि शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो। इसे स्वीकार कर बाबा साहेब के अधूरे सपनों को पूरा करने के लिये आगे बढना होगा। बुद्धि प्रकाश, ई. अमरनाथ, ई. सत्य प्रकाश भारती, राम मनोहर, रत्नेश कुमार, वेद प्रकाश मणि, अनूप कुमार आदि ने बाबा साहब के जीवन संघर्ष और उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बच्चों ने बाबा साहब पर केन्द्रित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर मन मोह लिया। बाबा साहब पर केन्द्रित कार्यक्रम में मुख्य रूप से डा. अम्बेडकर शिक्षा समिति के संस्थापक दिग्विजय कुमार, अशोक सम्राट, योगेन्द्र कुमार, संदीप कुमार, श्रवण भास्कर, भूपेन्द्र कुमार, यशवन्त कुमार, विपिन कुमार, चिरंजीव लाल, सुनील कुमार, उमाशंकर, अवनीश, प्रदीप कुमार, सुगन्ध बौद्ध, अनिल के साथ ही बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। मिशन गायक सोनू सांवरिया, बलवन्त भारती, दीप माला भारती और साथियों ने बाबा साहब पर केन्द्रित गीत प्रस्तुत कर उनके संदेशों को पहुंचाया।

बेहतर शिक्षा के लिये परिषदीय विद्यालयों की भूमिका महत्वपूर्ण–राम प्रसाद चौधरी

-शारदा संगोष्ठी, वार्षिकोत्सव में झूमा बचपन, अंक पत्र वितरित
-छात्रों को पुरस्कृत कर बढाया हौसला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालय किसी भी मामले में अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों से कम नहीं है। चाहें शिक्षा के गुणवत्ता की बात हो या किसी कार्यक्रम के आयोजन की। बेसिक शिक्षकों का प्रयास सराहनीय है। यह विचार सांसद रामप्रसाद चौधरी ने सल्टौआ विकास खण्ड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय – रामपुर मुड़री में शारदा संगोष्ठी और वार्षिकोत्सव को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये व्यक्त किया।

विद्यालय परिवार की सराहना करते हुए सांसद श्री चाधरी ने कहा कि ऐसा भव्य आयोजन किसी बेसिक विद्यालय में विरले ही देखने को मिलता है।'

खंड शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार ने कहा कि बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में निरंतर सुधार हो रहा है भौतिक परिवेश के साथ साथ शैक्षिक परिवेश में गुणात्मक सुधार हुआ है।' प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल ने कहा कि सभी अभिभावकों का ये दायित्व है कि वे अपने बच्चों को प्रत्येक दिवस विद्यालय भेजें ताकि वे गुणवत्ता परक शिक्षा ग्रहण कर सकें।' प्रधानाध्यापक राम भरत वर्मा ने गत सत्र में विद्यालय की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया और वर्तमान सत्र की रूपरेखा प्रस्तुत किया। सुभासपा के पिछड़ा वर्ग जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार चौधरी ने विद्यालय विकास में हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया।'

वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत के साथ ही कार्यक्रम में मोहक नृत्य व प्रासंगिक विषयों पर आधारित प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में कंपोजिट विद्यालय पड़री पाण्डेय की छात्राओं ने भी अपनी प्रस्तुति दी।' विद्यालय में सभी छात्रों को सत्र 2024– 25 वार्षिक परीक्षा का अंकपत्र भी वितरित किया गया। अपनी कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को मुख्य अतिथि द्वारा मेडल, शील्ड, पानी का बोतल,लंच बॉक्स, कॉपी और पेंसिल बॉक्स देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में नव प्रवेशी छात्रों को कॉपी और पेन देकर उनका स्वागत विद्यालय परिवार द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन विजय प्रकाश चौधरी ने किया।'

कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्राथमिक शिक्षक संघ के राघवेन्द्र प्रताप सिंह, राम प्रकाश शुक्ल, रमेश चंद्र चौधरी, महेश चन्द्रा ,विवेक चौधरी, चंद्रशेखर पाण्डेय, सौरभ पद्माकर, विकास वर्मा, प्रताप नारायण चौधरी अशोक कुमार चौधरी, मनोज चौधरी, राजमणि, दिलीप चौधरी , सुनील , शकन्हैया पटेल , मुनिराम वर्मा , विपिन कुमार, लाल साहब पाण्डेय, मो खुर्शीद, अतुल चौधरी, मनोज वरुण, रजनीश धर द्विवेदी, योगेन्द्र सिंह, रत्नेश चौधरी, अभय चौधरी अश्विनी पाण्डेय, डा0 अमित नायक, डा विनीता नायक, रंजना चौधरी और ब्लाक के अन्य शिक्षक शिक्षामित्र एवं अनुदेश साथियों के साथ साथ अभिभावक गण और कई ग्राम पंचायतों के प्रधान गण बीडीसी गण के साथ विद्यालय परिवार के स0अ0 संजीव कुमार, सत्येंद्र सिंह, शिवांगी अग्रहरि, और अनुराधा जायसवाल उपस्थित रहे।'

तैयारियां पूरी: कांग्रेस की प्रदेश स्तरीय संविधान बचाओ रैली 28 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कांग्रेस द्वारा 28 अप्रैल सोमवार को पं. अटल बिहारी बाजपेई प्रेक्षागृह के परिसर में दिन में 11 बजे से प्रदेश स्तरीय संविधान बचाओ रैली की तैयारियां पूरी हो चुकी है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कार्यक्रम संयोजक लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी बसन्त चौधरी ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ कार्यक्रम की समीक्षा किया। दावा किया कि कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा और रैली में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के साथ ही पूर्वान्चल के अनेक जनपदों से कांग्रेस कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे।

तैयारियों की समीक्षा से पूर्व कांग्रेस नेताओं ने जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर पत्रकारों से बातचीत में दावा किया कि कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा और जनपद के ब्लाक स्तर से पदाधिकारी, कार्यकर्ता रैली में हिस्सा लेंगे। जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने बताया कि पार्टी ने सफलता के लिये पूरी ताकत झोंक दिया है।

-कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं ने झोंकी ताकत

पत्रकारों से बातचीत में कार्यक्रम संयोजक केशव चन्द यादव ने कहा कि केन्द्र की भाजपा सरकार संविधान को बदलने की तैयारी में है और संसद से लेकर सड़क तक संविधान को कमजोर करने के साथ ही संविधान निर्माता बाबा साहब को भी अपमानित करने का सुनियोजित षड़यंत्र निरन्तर जारी है। देशा वासियों को जगाने और संविधान बचाने की दिशा में 28 अप्रैल की कांग्रेस की रैली महत्वपूर्ण है।

प्रदेश स्तरीय संविधान बचाओ रैली की सफलता के लिये आलोक प्रसाद पूर्व विधायक अम्बिका सिंह, राम जियावन, अनूप पाण्डेय, वीरेन्द्र प्रताप पाण्डेय 'बबलू' जय करण वर्मा, देवेन्द्र श्रीवास्तव, कौशल त्रिपाठी, नर्वदेश्वर शुक्ल, अनिल भारती, अमित सिंह, वाहिद सिद्दीकी, अलीम अख्तर, राम बचन भारती, राणा सिंह, लाल जी पहलवान, शौकत अली, नन्हू, संदीप श्रीवास्तव गंगा मिश्रा, राजन सिंह, आनंद आदि अलग–अलग क्षेत्रों में निरन्तर जन सम्पर्क कर रहे हैं।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने बताया कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कार्यक्रम संयोजक लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी बसन्त चौधरी के संयोजन में आयोजित संविधान बचाओ रैली में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, प्रदेश प्रभारी अविनाश पाण्डेय, प्रदेश सचिव सत्य नरायन पटेल के साथ ही अनेक वरिष्ठ नेता, प्रदेश के अनेक सांसद, विधायक, पूर्व सांसद, विधायक, कार्यकर्ता हजारों की संख्या में हिस्सा लेंगे। बताया कि कार्यक्रम की सफलता के लिये तहसील, ब्लाक और न्याय पंचायत स्तर पर पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह है। कांग्रेस पदाधिकारी, तहसील, ब्लाकों के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने संविधान बचाओ रैली की सफलता के लिये ताकत झोंक दिया है। गांव–गांव जाकर सघन सम्पर्क किया गया। दावा किया कि प्रदेश स्तरीय संविधान बचाओ रैली ऐतिहासिक होगी।

''मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता''—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 28 अप्रैल 2025 सोमवार

सम्पादकीय

विश्व बैंक की चेतावनी

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और आर्थिक सहयोग विकास संगठन के बाद विश्व बैंक ने जिस तरह भारत के वृद्धि अनुमान में 0.5 फीसद तक की कटौती की है, उससे बहुत निराश होने की जरूरत नहीं है। मगर सवाल यह है कि जब हम भारत को अगले कुछ वर्षों में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के दावे कर रहे हैं, तो आखिर क्या वजह है कि वृद्धि अनुमान बार—बार डगमगाते दिखते हैं। यह सच है अमेरिका की नई व्यापार नीति के बाद छिड़े शुल्क संग्राम के बीच दुनियाभर में अनिश्चितता का माहौल है। चीन से उसका टकराव बढ़ने से स्थितियां बिगड़ी ही हैं। वहीं पिछले एक दशक में आए कई झटकों की वजह से पूरे दक्षिण एशिया के देशों के पास मौजूदा वैश्विक चुनौती से निपटने के लिए सीमित उपाय ही हैं।

इस बीच वैश्विक एजंसियों ने भारत का वृद्धि अनुमान घटा कर एक तरह से हमें सचेत किया है। हालांकि यह उम्मीद अब भी है कि देश तेजी से बढ़ रही दुनिया का प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा और वैश्विक स्तर पर आर्थिक गतिविधियां धीमी पड़ने पर भी भारत की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष में 6.2—6.7 की दर से बढ़ सकती है। रिजर्व बैंक को भी उम्मीद है कि अर्थव्यवस्था इसी दर से बढ़ती रहेगी। भारत के आर्थिक विकास में गिरावट की जो वजहें बताई जा रही हैं, उनमें नीतिगत अनिश्चितता तो है ही, वहीं सार्वजनिक पूंजी निवेश भी घटा है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में हम उम्मीद से कम विकास कर पाए हैं, तो इसे गंभीरता से लेना होगा। उद्योग, कृषि—व्यापार और कई क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने के दौरान हमें यह भी देखना होगा कि विकास के क्रम में अगर आम आदमी पीछे छूट रहा है, तो इसका क्या कारण है।

चिंता की बात है कि उपभोग और निवेश को बढ़ावा देने के लिए करों में कटौती और कई बदलावों के बावजूद निजी निवेश की गति मंद पड़ रही है। समाज का अंतिम जन आगे नहीं बढ़ पा रहा है। हमें इस पर सोचना होगा, क्योंकि अर्थव्यवस्था की धुरी में उसकी भी उपस्थिति है। ऐसी कुछ नाउम्मीदियों के बीच भी यह उम्मीद बाकी है कि देश आगे बढ़ता रहेगा।

नये मोड़ पर भारत—पाक सम्बन्ध

जम्मू—कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में तनाव बढ़ गया है। दोनों देशों की तरफ से उठाए गए कदमों से यह सवाल उठने लगा है कि पहलगाम के बाद अब क्या होगा? क्या भारत—पाकिस्तान में युद्ध होगा? इस पर किंग्स कॉलेज (लंदन) में प्रफेसर हर्ष पंत ने बताया, 'ऐसा लग रहा है कि किसी—न—किसी तरह का मिलिट्री ऐक्शन तो होगा। क्या वह युद्ध तक जाएगा, इसकी आशंका कम ही दिखती है। भारत चाहेगा कि पाकिस्तान को मैसेज मिल जाए कि पहलगाम जैसी घटनाओं पर उसके खिलाफ कड़ा कदम उठाया जाएगा। जिस तरह की मानसिकता पाकिस्तान में नजर आ रही है, उनके आर्मी चीफ मुनीर का बयान और उसके बाद जो कुछ हुआ, उससे लग रहा है कि पाकिस्तान ऐसे रास्ते पर निकल पड़ा है जहां मिलिट्री एक्शन के अलावा भारत के पास कोई चारा नजर नहीं आ रहा है।' हालांकि, उत्तराखंड के पूर्व डीजीपी अशोक कुमार का मानना है कि फुल साइडेड वॉर दोनों के हित में नहीं है। बालाकोट जैसी कुछ चीजें होंगी।

भारत और पाकिस्तान दोनों एटमी ताकत हैं, ऐसे में क्या दोनों के बीच युद्ध हो सकता है? इसके जवाब में भारत—पाकिस्तान युद्ध में शामिल रहे रिटायर्ड जनरल मोहन चंद्र भंडारी ने कहा कि इस तरह की अटकलबाजियां 1999 में करगिल युद्ध के दौरान भी शुरू हुई थीं। लेकिन यह ब्लफ है। यह संभव नहीं है। जब आप युद्ध की बात करते हैं तो युद्ध सिर्फ भारतीय सेना, एयरफोर्स या नेवी नहीं लड़ती है। पूरा राष्ट्र युद्ध करता है। एक युद्ध का मतलब है कि आप 50 साल पीछे चले जाते हैं।पूर्व राजदूत अशोक कंठ का मानना है, 'ऐसा पहले कहा जाता था कि अगर दो देश परमाणु संपन्न होते हैं तो पारंपरिक लड़ाई के लिए जगह नहीं होती। लेकिन आपने देखा कि 1999 में करगिल की लड़ाई हुई। दोनों देशों के पास में एटॉमिक पावर थी, लेकिन वह एक सीमित युद्ध ही था। उरी और पुलवामा के बाद भारत ने स्ट्राइक की। ये सब कन्वेंशनल एक्शन थे, उसमें तो पाकिस्तान ने न्यूक्लियर बम का इस्तेमाल नहीं किया। मुझे लगता है कि न्यूक्लियर बम का होना इस बात की कोई आश्वासन नहीं देता है कि पारंपरिक संघर्ष के लिए आपके पास विकल्प नहीं हैं।'

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव हमेशा से रहा है। दोनों देश इसे आपस में 'किसी न किसी तरह' सुलझा लेंगे। यह पूछे जाने पर क्या वह दोनों देशों के नेताओं से बात करेंगे, ट्रंप ने कहा, 'मैं भारत के बहुत करीब हूं और मैं पाकिस्तान के बहुत करीब हूं, जैसा कि आप जानते हैं।' कहा कि कश्मीर में लड़ाई लंबे समय से है और पहलगाम में जो हुआ, वह बहुत बुरा है। ऐसे में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि भारत का अगला कदम क्या होगा।

स्थाई सिरदर्द बन चुका है आतंक पोषक पाकिस्तान

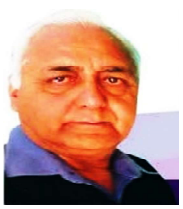

—तनवीर जाफरी—

जम्मू—कश्मीर के पहलगाम में गत 22 अप्रैल को हुए बर्बरतापूर्ण व अमानवीय आतंकी हमले को देश जल्दी भुला नहीं पायेगा। इसमें 27 बेगुनाहों की जान चली गई जिनमें अधिकांश देश के विभिन्न राज्यों से आये हुये पर्यटक शामिल थे। इस अमानवीय घटना की जितनी भी निंदा की जाये वह कम है। इस घटना के बाद राजनीति,भारतीय मीडिया,सोशल मीडिया, पक्ष और विपक्ष से जुड़े कई ऐसे पहलू थे जिनपर चर्चा होनी स्वभाविक थी और वह हुई भी। जैसे इस त्रासदी को मुख्य धारा के कहे जाने वाले टी वी चौनल्स ने एक बार फिर श्एजेंडा रिपोर्टिंग श् की तर्ज पर पेश कर देश में विभाजनकारी माहौल बनाने की पूरी कोशिश की। और इस आतंकी हमले को हिंदू बनाम मुस्लिम के रूप में पेश करने का भरसक प्रयास किया। इन टी वी चौनल्स को हमले के बाद कश्मीर सहित पूरे देश में इस हमले के विरुद्ध उपजी सहानुभूति,एकजुटता, पर्यटकों को बचाने,उन्हें पनाह देने व आतंकियों का बहादुरी से मुकाबला करते हुये स्थानीय कश्मीरी की जान देने व पर्यटकों के प्रति मानवता से पेश आने के दृश्य नजर नहीं नजर आये। न ही सुरक्षा एजेंसियों की लापरवाही न ही श्आपदा में अवसर श् ढूंढने वाली विमानन कंपनियों द्वारा आतंकी हमले की दहशत के परिणामस्वरूप पर्यटकों की वापसी की भारी भीड़ को देखते हुये उनसे आठ से दस गुना तक अधिक किराया वसूल किया जाना दिखाई दिया।

बहरहाल 22 अप्रैल से लेकर अब तक इस विषय को लेकर दोनों देशों की ओर से कई कदम उठाये जा चुके हैं। भारत ने पाकिस्तान के विरुद्ध जो अहम फैसले लिए हैं उनमें मुख्य रूप से भारत—पाकिस्तान के बीच हुये सिंधु जल समझौते को स्थगित करना,अटारी बॉर्डर को बंद करना,भारत आए पाकिस्तानी नागरिकों को इसी मार्ग से लौटने के लिए 1 मई तक की समय सीमा निर्धारित करना,पाकिस्तानी नागरिकों को भारत का वीजा न देना,भारत में मौजूद पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ने के लिए 48 घंटे का समय देना, सभी पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करना, नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी हाईकमीशन में तैनात पाकिस्तानी डिफेन्स एडवाइजर्स को भारत छोड़ने के लिए एक हफ्ते का समय देना, तथा दोनों हाई कमीशन में तैनात कर्मचारियों की संख्या 55 से घटाकर 30 तक किया जाना शामिल है। इसके जवाब में पाकिस्तान ने भी भारत के विरुद्ध कई फैसले लिये हैं जिनमें भारत के साथ हुआ शिमला समझौता स्थगित करना,वाघा बॉर्डर से व्यापार पूरी तरह बंद करना,30 अप्रैल तक जिन लोगों ने वैध कागजों के साथ इस रास्ते से पाकिस्तान प्रवेश किया है, उन्हें वापस लौटने का निर्देश देना,सार्क वीजा छूट योजना के तहत भारतीय नागरिकों को दी गई वीजा छूट खत्म करना (सिख तीर्थयात्रियों को छोड़कर), भारतीय हाई कमीशन में काम कर रहे सैन्य सलाहकारों दृ डिफेंस, नेवी और एयर अटैची को अवांछित व्यक्ति(चमतेवदं दवद हतंजं) घोषित करना और उन्हें व उनके सहायक स्टाफ को 30 अप्रैल तक पाकिस्तान छोड़ने का निर्देश देना,इस्लामाबाद में भारतीय हाई कमीशन के कर्मचारियों की संख्या घटाकर 30 करना,पाकिस्तानी एयरस्पेस को अब भारतीय स्वामित्व या संचालन वाली सभी एयरलाइंस के लिए बंद करना तथा हर प्रकार का व्यापार चाहे वह सीधे भारत से हो या किसी तीसरे देश के जरिए, तत्काल प्रभाव से बंद कर देना जैसी घोषणायें शामिल हैं।

उधर दोनों देशों द्वारा एक दूसरे के विरुद्ध उठाये जा रहे इन कदमों के बीच पाकिस्तान की ओर से की गयी एक ऐसी स्वीकारोक्ति ने भारत द्वारा पाकिस्तान के विरुद्ध लगभग चार दशकों से लगाये जा रहे इन आरोपों को सच साबित कर दिया है कि पाकिस्तान आतंकवाद की नर्सरी भी है और पनाहगाह भी। गौरतलब है कि स्काई न्यूज के संवाददाता ने पहलगाम में आतंकी हमले के सन्दर्भ में जब पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ से पूछा कि— ष्क्या आप मानते हैं कि पाकिस्तान का इन आतंकी संगठनों को समर्थन देने, प्रशिक्षण देने और धन मुहैया कराने का लंबा इतिहास रहा है? तो ख्वाजा आसिफ ने स्वीकार किया कि पाकिस्तान आतंकी समूहों को धन मुहैया कराने के साथ—साथ उन्हें हर तरह से समर्थन करता रहा है। ख्वाजा आसिफ ने एक बातचीत के दौरान कहा कि — ष्हम अमेरिका और ब्रिटेन समेत पश्चिमी देशों के लिए करीब तीन दशकों से यह गंदा काम कर रहे हैं।इसे दूसरे शब्दों में कहा जाये तो पाकिस्तान अमेरिका व ब्रिटेन जैसे पश्चिमी देशों की कठपुतली बनकर आतंकवाद की पनाहगाह व आतंकवादियों का श्मुख्य उत्पादक देशश बना हुआ है। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने यह भी कहा कि —श्यदि हम सोवियत संघ के विरुद्ध युद्ध में और बाद में 9ध्11 के बाद के युद्ध में शामिल नहीं होते, तो पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड बेदाग होता।'

परन्तु सच पूछिये तो धर्म के आधार पर भारत से विभाजित होकर 1947 में ही अलग अस्तित्व में आने वाले पाकिस्तान में शुरू से ही अधर्म,जोर जबरदस्ती,कट्टरपंथ,हिंसा व आतंकवाद का बोल बाला रहा है। और समय के साथ से यह और भी बढ़ता ही गया है। पाकिस्तानी नेताओं व शासकों द्वारा पोषित व प्रायोजित आतंकवाद का पहला निशाना तो पूर्वी पाकिस्तान (तत्कालीन) के लोग ही बने। बड़े पैमाने पर हत्यायें बलात्कार क्या नहीं किया गया बंगाली मुसलमानों के साथ ? तब कहाँ चला गया था इनका श्इस्लामी राष्ट्र श्? क्यों 24 वर्षों में ही पाकिस्तान से अलग होकर बांग्लादेश वजूद में आया ? उसके बाद पाकिस्तान के अल्पसंख्यकों विशेषकर हिन्दुओं ,सिखों,शिया व अहमदिया मुसलमानों पर अत्याचार करने व उनकी हत्याओं का सिलसिला भी कोई केवल तीन दशक की कहानी नहीं है बल्कि यह सब घिनौनी हरकतें पाकिस्तान के वजूद में आते ही शुरू हो गयी थीं। स्वयं राष्ट्रपति जियाउलहक के दौर में पाकिस्तान में कट्टरपंथ व आतंकवाद खूब फला फूला। इसी पाकिस्तान में धर्म के नाम पर आत्मघातियों की भर्ती की गयी जिन्होंने मस्जिदों,दरगाहों,इमाम बारगाहों व अनेक धार्मिक जुलूसों में अब तक हजारों लोग मारे। उसके बाद इसी पाकिस्तान ने तालिबानों को शुरूआती दौर में पूरा संरक्षण दिया। उनके कार्यालय तक खोले गये और ओसामा बिन लादेन व मुल्ला उमर के समय में तालिबानी प्रवक्ता पाकिस्तान में बैठकर पत्रकार वार्ता करता तथा तालिबानी नीतियों को सार्वजनिक करता था। अफगानिस्तान की कट्टरपंथी तालिबानी सरकार को मान्यता देने वाला पहला देश पाकिस्तान ही था। पाकिस्तान में पोषित तालिबानी ही आगे चलकर कट्टरपंथी व आतंकी गिरोह तहरीक—ए—तालिबान पाकिस्तान के नाम से जाने गये। और यही बाद में पाकिस्तान—अफगानिस्तान सीमा के करीब संघीय प्रशासित कबायली क्षेत्र के चरमपन्थी उग्रवादी गुटों के संगठन के रूप में स्थापित हुये। इसका मकसद पाकिस्तान में शरिया पर आधारित एक कट्टरपन्थी इस्लामी अमीरात को कायम करना था। इस संगठन ने भी कश्मीर में आतंकवाद फैलाने के प्रयास किये थे। तहरीक—ए—तालिबान ही वह संगठन था जिसके छः आतंकियों ने 16 दिसम्बर 2014 को पेशावर के सैनिक स्कूल पर हमला करके पाक फौजियों के ही 126 बच्चों की हत्या कर दी थी।

इन सब वास्तविकताओं के बावजूद जब जब पाकिस्तान पर आतंकवाद फैलाने या उसे संरक्षण देने का आरोप भारत द्वारा लगाया जाता तो पाकिस्तान यह कहकर अपना पल्ला झाड़ने की कोशिश करता कि श्वह तो स्वयं आतंकवाद का दंश झेल रहा है और इसका भुक्तभोगी है श्। परन्तु पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की ताजातरीन स्वीकारोक्ति से यह साबित हो चुका है कि पाकिस्तान आतंक फैलाने का केवल आरोपी ही नहीं बल्कि दोषी भी है। मसूद अजहर,कंधार विमान अपहरण, हाफिज सईद,कसाब, पहलगाम का ताजातरीन अमानवीय हमला ऐसे दर्जनों सुबूत हैं जिसके आधार पर यह कहा जा सकता है कि पाकिस्तान द्वारा पोषित व संरक्षित आतंकवाद भारत के लिये स्थाई सिरदर्द बन चुका है लिहाजा इसका स्थाई समाधान होना भी जरूरी है।

धार्मिक कट्टरता चाहे किसी भी रंग की हो, ठीक नहीं

—मंगत राम पासला—

धर्म के नाम पर फैलाई जा रही साम्प्रदायिक नफरत का तूफान भारत की सभी गर्व करने योग्य परम्पराओं की तबाही करती जा रही है। अल्पसंख्यक आबादी, विशेष तौर पर मुस्लिम भाईचारे के बारे में प्रचारित की जा रही झूठी और मनगढ़ंत कहानियों का बाजार गर्म है। इन भड़काऊ घोषणाओं और बयानबाजी पर कार्रवाइयां होने से ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे भारत के भीतर कोई बड़ा धर्म युद्ध लड़ा जा रहा है। अब तो इस तथ्य की पुष्टि भाजपा सांसद निशीकांत दुबे ने भी अपने बयान में कर दी है। बेशक इसका ठीकरा शीर्ष अदालत के माननीय मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना के सिर पर फोड़ा है। हिंदू धर्म के नाम पर विहिप नेता प्रवीण तोगडिया ने देश में इसराईल जैसी व्यवस्था (जियोनिज्म) जिसके माध्यम से मुसलमानों और अल्पसंख्यक तथा विचारधारक विरोधियों का मुकम्मल तौर पर सफाया किया जा सके, लागू करने की वकालत कर दी है। विश्व के अंदर किसी भी धर्म, पंथ या सामाजिक—राजनीतिक लहर के उदय का संबंध उस दौर की ठोस आर्थिक—सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों के साथ जुड़ा होता है। जनसाधारण को खत्म करने वाली लोकविरोधी नीतियों के कारण दरपेश मुश्किलों से छुटकारा हासिल करने के लिए किसी धर्म या पंथ का निर्माण किया जाता है। इसके बावजूद पीड़ित जनता आहिस्ता—आहिस्ता हर दौर की नई प्रगतिशील धारा के साथ जुडनी शुरू हो जाती है। कार्ल मार्क्स सहित विश्व भर के दार्शनिकों ने सामाजिक विकास के अंदर धर्म की ओर से निभाई जा रही इस भूमिका को बाखूबी अंकित किया है। परन्तु मानव इतिहास इस तथ्य का गवाह भी है कि जैसे—जैसे प्रक्रिया तेज होती है वैसे ही समय के शासक, उनके हिमायती और सत्ता के साथ जुड़े स्वार्थी तत्व, लोगों की ओर से अपनाए जा रहे हर नए धर्म के बीच वाले मानवीय तत्वों को गिराने के लिए इस नई निर्मित लहर को जुर्म के साथ दबाने का प्रयास करते हैं।

भारत के अंदर भी वर्तमान समय में कई धर्मों की स्थिति नाजुक बनी हुई है। ऐसे धर्मों को मानने वालों पर इनसे संबंधित आलीशान धार्मिक स्थानों की गिनती में अनगिनत बढ़ौतरी हो रही है। मगर वे सारी स्वस्थ और मानवीय कदरें और कीमतें जिनका समर्थन इन धर्मों का नेतृत्व करने वाले महापुरुषों और अन्य विद्वानों ने दिया था, विलुप्त होती जा रही है। यही कारण है कि किसी भी धार्मिक नेता या धार्मिक स्थान से ऐसी आवाज कम ही सुनाई पड़ती है कि जो भी व्यक्ति धर्म के नाम पर अन्य धर्मों के विरुद्ध नफरत फैलाता है या कोई विवाद उत्पन्न करने का प्रयत्न करता है, उसके साथ उनके धर्म का कोई संबंध नहीं है।

हिंदू धर्म के ज्यादातर वर्तमान संतों—महंतों और धर्म के स्वयं—भू ठेकेदारों ने इस धर्म की मानवीय कल्याण की ऊंची और साफ परम्पराओं पर विभिन्न धर्मों के मानने वाले लोगों के बीच प्रेम तथा सद्भावना मजबूत करने की महान शिक्षाओं को दर—किनार कर आम जनता को फिर से उसी अंधकारमय युग की ओर धकेलने की मुहिम छेड़ रखी है, जिसे हम सदियों पहले अलविदा कह आए थे। वैज्ञानिक सोच वाले आधुनिक युग के अंदर हिंदू धर्म का बोलबाला कायम करने के पर्दे के नीचे कुछ स्वार्थी लोगों ने उन्हें तर्कहीन बनाकर विज्ञान विरोधी रास्तों पर चला दिया है।

यह तरीका अत्यंत शर्मनाक और दुखदायी है। पिछड़े विचारों का ऐसा प्रचार—प्रसार हिंदुओं की विशाल बहुगिनती के हितों के साथ उसी तरह का खिलवाड़ है जैसा पाकिस्तान और अफगानिस्तान में वहां के मुस्लिम कट्टरपंथियों ने आम मुसलमान आबादी के हितों के साथ किया है। विशाल और सहनशीलता जैसे विचारों से लबरेज हिंदू धर्म के अनुयायियों को दूसरे धर्म के पैरोकारों, विशेषकर मुसलमानों और ईसाइयों के धार्मिक स्थल गिराने, इनके धार्मिक समागमों में खलल डालने और बिना किसी ठोस सबूत के प्रत्येक मुसलमान, ईसाई या राजनीतिक विचारधारक विरोधी के माथे पर 'देशद्रोही' का तगमा टांगने का अधिकार देना किस धर्म ग्रंथ में लिखा है। शीर्ष अदालत की ओर से धर्म निरपेक्षता और लोकतांत्रिक प्रणाली के हक में किए जाने वाले फैसलों पर टिप्पणियों का जैसे आर.एस.एस. और भाजपा के नेताओं की ओर से मजाक उड़ाया जाता है। उससे यह स्पष्ट होता है कि संघ परिवार के भारतीय संविधान और अदालतों के प्रति सत्कार केवल दिखावा है। इस संविधान विरोधी मुहिम में अब तो देश के उप—राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी कूद पड़े हैं।

विभिन्न धर्मों के मानने वाले करोड़ों लोगों को भी अपने—अपने धार्मिक विश्वासों पर कायम रहते हुए धर्म की मानवीय शिक्षाओं और लोकहित रिवायतों की रक्षा करने के लिए अपने बनते फर्ज की अदायगी करनी होगी। धार्मिक कट्टरता बेशक किसी भी रंग की हो अंत में समस्त मानवता के विनाश से ही खत्म होती है।

मुसलमानों के बीच कई धार्मिक नेता अपने स्वार्थ के लिए भारतीय संविधान की खूबसूरत धाराओं की बजाय 'शरियत' की पालना करनी और करवानी ज्यादा लाजिमी समझते हैं। यह देखना काफी तकलीफदेय है कि मुस्लिम भाईचारे से संबंधित काफी लोग आज भी तर्क—वितर्क और संविधान—कानून की व्यवस्थाओं के मुकाबले कट्टरपंथी मुल्लाओं के फतवों को ज्यादा तरजीह देते हैं। पश्चिम बंगाल में उठे साम्प्रदायिक तनाव के इस अंधेरे में एक रोशनी जगाने वाली घटना का घटना भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। यहां के मालदा जिले के किसी स्कूल में तीसरी श्रेणी में पढने वाले 2 बच्चे सुलेमान शेख और संदीप साहा एक प्लेट में ही खाना खाते और मुस्कुराते नजर आए हैं। ऐसी है हमारी महान गंगा—जमुनी तहजीब की खूबसूरती। विभिन्न धर्मों के मानने वाले करोड़ों लोगों को भी अपने—अपने धार्मिक विश्वासों पर कायम रहते हुए धर्म की मानवीय शिक्षाओं और लोकहित रिवायतों की रक्षा करने के लिए अपने बनते फर्ज की अदायगी करनी होगी। धार्मिक कट्टरता बेशक किसी भी रंग की हो अंत में समस्त मानवता के विनाश से ही खत्म होती है।

आतंकवाद मानवता का दुश्मन

—राजेश माहेश्वरी—

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में बीती 22 अप्रैल को पर्यटकों के लिए किसी दुःस्वपन से कम नहीं था। पहलगाम में हुए एक आतंकवादी हमले में कुल 26 पर्यटक मारे गए। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले और उसमें पाकिस्तान की भूमिका को लेकर देशभर में आक्रोश है। इसमें दो राय नहीं कि पहलगाम के भीषण आतंकी हमले ने देश के अंतर्मन पर गहरे जख्म छोड़े हैं। निस्संदेह, निर्दोष पर्यटकों की निर्मम हत्या कई सवाल हमारे सामने छोड़ गई है। दुर्भाग्य से आतंकवादियों ने उस क्षेत्र को अपने आतंक का निशान बनाया, जो जम्मू—कश्मीर के अपेक्षाकृत सुरक्षित माने जाने वाले क्षेत्रों में शामिल था। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस हमले को लेकर कोई खुफिया अलर्ट क्यों नहीं मिल पाया, जिससे लोगों में रोष व्याप्त हुआ है। दरअसल, सुरक्षा चूक की ऐसी घटनाएं सिस्टम की तैयारियों के प्रति जनता के भरोसे को प्रभावित करती हैं।

पहलगाम हमला पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के इस बयान के एक सप्ताह बाद हुआ है कि कश्मीर इस्लामाबाद की ष्गले की नसष है। अतीत में अपमानजनक हार का सामना करने और दुनिया के सामने अपनी कुटिल योजनाओं का पर्दाफाश होने के बावजूद, पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान भारत के खिलाफ आतंकवाद को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की अपनी पुरानी रणनीति पर दांव लगाना जारी रखता है।

इसमें दो राय नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मामले में त्वरित हस्तक्षेप किया। इस संकटपूर्ण स्थिति में उन्होंने अपनी विदेश यात्रा को बीच में ही रोकना प्राथमिकता समझा। वहीं दूसरी ओर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह तुरंत जम्मू—कश्मीर पहुंचे। वहीं शाह का तुरंत घायलों से मिलने अस्पताल पहुंचना दुर्भाग्यपूर्ण घटना की गंभीरता को ही रेखांकित करता है। अब चाहे ये प्रयास कितने भी तात्कालिक व ईमानदार क्यों न हों, वे प्रणालीगत सुधार के विकल्प नहीं हो सकते।

वहीं दूसरी ओर जम्मू—कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आश्वासन दिया है कि हर अपराधी को पकड़ने के लिये सरकार कृतसंकल्प है। लेकिन इस तरह के आश्वासन केवल अल्पकालिक आवश्यकता को पूरा करते हैं। बेहतर होता कि हम पहले ही ऐसी चाक—चौबंद व्यवस्था सुनिश्चित करते कि परिंदा भी पर न मार सकता। निश्चित रूप से इस तरह के आतंकी हमले का व्यापक परिदृश्य हमें आत्ममंथन को विवश करता है।

बहरहाल, पहलगाम आतंकी हमले से हुई जनहानि तमाम सवालों को जन्म देती है। हर किसी संवेदनशील मन में घटनाक्रम को लेकर अनेक प्रश्न उभरते हैं। आम विमर्श में यह मुद्दा उठता रहा है कि जम्मू—कश्मीर के इस संवेदनशील क्षेत्र में सेना की उपस्थिति क्यों नहीं थी। आखिर इस हमले की भनक हमारे खुफिया तंत्र को क्यों नहीं लगी। जम्मू—कश्मीर देश का सीमावर्ती व संवेदनशील क्षेत्र है। दशकों की आतंकी घटनाओं के चलते इस क्षेत्र में सेना, केंद्रीय सुरक्षा बलों, खुफिया एजेंसियों तथा स्थानीय पुलिस की उपस्थिति देश के अन्य राज्यों के मुकाबले काफी ज्यादा रहती है।

सवाल यह भी है कि आखिर खुफिया एजेंसियों से किस स्तर पर और क्यों चूक हुई। आखिर स्थानीय व विदेशी आतंकवादी इतनी आसानी से हमारे सुरक्षा चक्र को भेदने में कैसे सफल रहे?

राधा कृष्ण मंदिर पुजारी हत्याकांड के दो आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता—बलरामपुर। बलरामपुर शहर के खलवा निवासी विवेक द्विवेदी बल्लू के साजन तिवारी की बहन को साथ ले गया था। साजन तिवारी व उसका भाई राघवेंद्र, विवेक की तलाश कर रहे थे। विवेक के न मिलने पर उसके चचेरे भाई शत्रुहन द्विवेदी की गोली मारकर हत्या कर दी। राधा कृष्ण मंदिर पुजारी हत्याकांड का खुलासा पुलिस ने चौथे दिन कर लिया है। हत्या में प्रयुक्त तमंचा, जीवित कारतूस व दो बाइक बरामद हुई हैं। गिरफ्तारी रविवार सुबह दिपवा बाग तुलसीपुर रोड स्थित बांध पर हुई है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। 25 हजार का इनामी मुख्य अभियुक्त फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी है।

24 अप्रैल को सुबह शहर से पूरब स्थित दिपवाबाग में 25 वर्षीय युवक का शव पड़ा मिला था। युवक के सीने में गोली मारकर हत्या की गई थी। मृतक युवक की पहचान मोहल्ला खलवा निवासी कृष्ण कुमार द्विवेदी के पुत्र शत्रोहन द्विवेदी रूप में हुई थी। परिजनों ने पूछताछ में बताया था कि 23 अप्रैल की शाम को दो लोग शत्रोहन द्विवेदी को घर से बुला ले गए थे। जब वह घर नहीं लौटा तो रात भर उसकी तलाश चलती रही लेकिन शत्रोहन द्विवेदी का पता नहीं चल सका। गुरुवार सुबह उसका शव बाग में पड़ा मिला।

पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने घटना अनावरण की जिम्मेदारी अपर पुलिस अधीक्षक नम्रिता श्रीवास्तव, सीओ ज्योतिश्री व कोतवाली नगर के प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार सिंह को सौंपी थी। मामले तह तक पहुंचने के लिए तीन टीमें लगाई गई थीं। विवेचना में पाया गया कि यह प्रकरण लड़की भगाने से जुड़ा हो सकता है। रविवार को मुखबिर की सूचना पर बलुहा निवासी राघवेंद्र तिवारी उर्फ दद्दू पुत्र शिव वंशमणि तिवारी व मोहित वर्मा उर्फ काका पुत्र दुखहरन वर्मा को नहरबालागंज से तुलसीपुर जोड़ने वाले बांध पर गिरफ्तार किया गया। यह गिरफ्तारी प्रभारी निरीक्षक सुधीर सिंह, की टीम ने किया। तलाशी लेने पर 315 बोर का तमंचा व जीवित कारतूस पाया गया। मौके पर दो बाइक भी मिलीं। दो मोबाइल फोन जब्त किये गए। साजन तिवारी मौके पर नहीं था, इसलिए गिरफ्तारी नहीं हो सकी।

गिरफ्तार आरोपी राघवेंद्र तिवारी व मोहित वर्मा ने बताया कि विवेक द्विवेदी साजन तिवारी की बहन को बीते 21 अप्रैल को अपने साथ भगा ले गया था। इस बात को लेकर राघवेंद्र व साजन तिवारी में आक्रोश था। वे विवेक को जान से मारने की नीयत से तलाश कर रहे थे। उसका पता नहीं चला तो उसके चचेरे भाई शत्रोहन द्विवेदी को फोन करके बुला लिया। सुनसान स्थान पर ले जाकर शत्रोहन द्विवेदी की हत्या कर दी गई। एसपी के मुताबिक राघवेंद्र पर पहले से ही दो केस दर्ज हैं। साजन तिवारी मौके से फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगी हुई हैं। उस पर 25 हजार का इनाम घोषित किया गया है।

26 के बदले 26 सौ आतंकियों को मार कर बदला पूरा करने की मांग

संवाददाता—श्रावस्ती। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए 26 पर्यटकों से पूरे देश में आक्रोश का माहौल है। मरने वाले लोगों को जहां श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है। तो वहीं विरोध प्रदर्शन कर 26 के बदले 26 सौ आतंकियों को मार कर बदला पूरा करने की मांग हो रही है। पहलगाम आतंकी घटना के विरोध में शनिवार देर शाम को सिरसिया के गुलरा में कैंडल मार्च निकाला गया। अधिवक्ता अमन पांडेय के नेतृत्व में एबीवीपी की ओर से निकाले गए कैंडिल मार्च के दौरान आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साथ ही विरोध जताया गया।

लोगों ने मांग की कि पहलगाम में मारे गए 26 लोगों का बदला 2600 आतंकियों की लाश से पूरा होगा। इस मौके पर मनीष कसौधन, विजेन्द्र कुमार, संदीप मिश्रा, रिंकू सिंह, प्रधान जय प्रकाश यादव, रेवती रमण पाण्डेय, विशाल कसौंधन, आदि मौजूद रहे। जमुनहा बाजार में जिला पंचायत सदस्य हरीश जायसवाल गांधी की अगुवाई में लोगों ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का पुतला फूंका। एक और सर्जिकल स्ट्राइक की जरूरत है। इस मौके पर मेहुल नांग, रामकुमार शर्मा, मनोज गुप्ता, रामू गुप्ता, हिमांशु गुप्ता, डीके गुप्ता, गौरव गुप्ता आदि मौजूद रहे। इसी तरह विश्व हिंदू परिषद की ओर से शनिवार देर रात इकौना के बेचूबाबा चौराहे पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें पहलगाम के आतंकी हमले में मारे गए 26 पर्यटकों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। मौके पर सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस टीम तैनात रही। प्रवक्ता दिवाकर पांडेय ने कहा कि छुट्टी मनाने गए 26 पर्यटकों के परिवारों के सामने हत्या कर उनके सिंदूर को उजाड़ दिया गया। इस कायराना हमले को माफ नहीं किया जाएगा। नगर मंत्री सत्य प्रकाश गुप्ता ने कहा कि सरकार ऐसे आतंकियों को उनके घर में घुसकर मारे पूरा देश साथ है।

अवैध रूप से संचालित मदरसों पर प्रशासन की कार्रवाई जारी, दो दिन में 14 मदरसे सीज किए गए

संवाददाता—श्रावस्ती। जिले में सीमा क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित चार और मदरसों को रविवार सील कर दिया गया। इसके साथ ही सील होने वाले मदरसों की संख्या बढ़ कर 14 पहुंच गई है। अभी अवैध रूप से संचालित मदरसों के विरुद्ध अभियान जारी है। ऐसे में कई और मदरसों पर कार्रवाई हो सकी है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी देवेंद्र राम के अनुसार जिले में 297 मदरसे संचालित हैं। इनमें 105 मदरसों की मान्यता है, जबकि 192 मदरसों की मान्यता नहीं है। ऐसे में डीएम अजय कुमार द्विवेदी के निर्देश पर नेपाल सीमा क्षेत्र की 15 किलोमीटर परिधि में भारतीय क्षेत्र में संचालित मदरसों की जांच कर उन्हें सील किया जा रहा है।

एसडीएम के नेतृत्व में गठित टीम ने शनिवार को 10 मदरसों को बंद कराया था। इनमें से कई मदरसे या तो किराए के भवनों में संचालित मिले या फिर उनका निर्माण अधूरा होने के साथ ही उनके पास मान्यता नहीं थी। इसी के क्रम में रविवार को नेपाल सीमा से सटे जमुनहा क्षेत्र के

मदरसों में एसडीएम संजय राय व जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी तथा बीईओ सतीश कुमार व थानाध्यक्ष मल्हीपुर आशीष कुमार ने ग्राम फतेहपुर बनगई में संचालित तीन तथा जमुनहा भवनियापुर में एक मदरसे को सील किया।

एसडीएम ने बताया कि बनगई बाजार स्थित मदरसा इस्लामिया अनवारूल उलूम, मदरसा अलमाहदुल इस्लामिया अनवारूल उलूम व मदरसा अरबिया मसूदिया दारुल उलूम गड़रियन पुरवा, मदरसा इस्लामिया मिसबाहउल उलूम जमुनहा बाजार में छापेमारी की गई। यहां अस्थाई कागजात के सहारे मदरसे संचालित हो रहे थे। इनमें कमियां मिलने के कारण उन्हें सील किया गया है। वहीं इस बारे में मदरसों के संचालक का कहना है की यू डाइस कोड उपलब्ध है।

इसमें मदरसे में पढ़ने वाले बच्चों का ऑनलाइन सूची फीडिंग होती है। अध्यापकों का भी उसी कोड पर ऑनलाइन फीडिंग होती है। इन सभी मदरसों का अल्पसंख्यक विभाग व बेसिक शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त है। संचालकों को बिना कोई नोटिस दिए एसडीएम ने बीईओ के साथ आकर मदरसों को सील किया है।

सभी बूथों पर सुना गया प्रधानमंत्री के मन की बात

संवाददाता—श्रावस्ती। भारतीय जनता पार्टी की ओर से रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 121वां संस्करण सभी बूथों पर सुना गया। इस दौरान बूथों पर कार्यकर्ताओं के साथ जिलाध्यक्ष व अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। विधायक राम फेरन पांडेय ने इकौना क्षेत्र के बूथ संख्या 325 इकौना देहात पर बूथ अध्यक्ष, बूथ समिति सदस्यों के साथ प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम सुना। विधायक ने कहा कि देश का पहला व्यक्ति हो या किसी गांव का अंतिम व्यक्ति। प्रधानमंत्री विभिन्न संचार माध्यमों से सभी से संपर्क रखते हैं। देश को ऐसा नेतृत्व मिला है जिसने न सिर्फ भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि को निखारा है, बल्कि विकास के नए आयामों को छूकर भारतीय परिवारों के रहन—सहन के स्तर को भी ऊंचा किया है। इसी तरह भाजपा जिलाध्यक्ष डा. मिश्रीलाल वर्मा ने जमुनहा क्षेत्र के बूथ संख्या 50 हरदत्तनगर गिरन्ट में मन की बात सुना। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का शुरुआती उद्बोधन का विषय आतंकवाद रहा। पहलगाम की घटना के सम्बंध में कहाकि पूरा विश्व आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में 140 करोड़ भारतीयों के साथ खड़ा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने पीड़ित परिवारों को न्याय का भरोसा दिलाकर दोषी व साजिश कर्ताओं को कठोरतम जवाब देने की बात कही। इसके इलावा प्रधानमंत्री मोदी की ओर से देश के स्पेस क्षेत्र में भारत की ओर से स्थापित कीर्तिमानों, अविष्कारों व वैज्ञानिकों के प्रति गर्व की भावना की प्रकट की। पूर्व जिलाध्यक्ष शंकर दयाल पाण्डेय, संजय कैराती पटेल, रमन सिंह, पूजा पाण्डेय, अरुण पाण्डेय, जिला मीडिया प्रभारी संजू तिवारी समेत सभी मंडल व बूथ अध्यक्षों ने कार्यक्रम सुना।

बैशाखी अमावस्या पर जिले के शिव मंदिरों में उमड़ी भीड़

संवाददाता—बहराइच। बैशाखी अमावस्या पर भोर होते शिव मंदिरों में रविवार को भगवान शंकर को जलाभिषेक करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। भगवान भोलेनाथ को जलाभिषेक करने के बाद पुरोहितों व मंदिर में बैठे जरूरतमंदों को शिव भक्तों ने अन्न, वस्त्र आदि दान किया। मान्यता है कि इस दिन दान करने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है। जीवन में सुख—समृद्धि आने के साथ ही पितरों को मोक्ष प्राप्त होगा। शिवपुर ब्लॉक क्षेत्र के रामपुर धोबिया हार स्थित पांडवकालीन बाबा बूढ़ेश्वर नाथ मंदिर में जिले के अलावा नेपाल से श्रद्धालु जलाभिषेक करने पहुंचे। जलाभिषेक करने के लिए लंबी कतार लग गई। सुरक्षा व्यवस्था में लगे पुलिस कर्मियों ने बैरीकेटिंग के जरिए भीड़ को नियंत्रित करते हुए एक—एक श्रद्धालु को जलाभिषेक करने के लिए भेजा। बच्चों मनोरंजन के लिए मेला परिसर में झूले लगाए गए। सुरक्षा व्यवस्था में थाना खैरीघाट, नवाबगंज व बॉडी की पुलिस, पीएसी के जवान व राजस्व निरीक्षक लगे रहे। थानाध्यक्ष खैरीघाट जयदीप दुबे ने बताया कि भक्तगणों को लाइन लगवा कर भोलेनाथ को जलाभिषेक कराया गया।

रामलला के दर्शन के पहले भावुक हुए गद्दी नशीन महंत प्रेम दास

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या। प्रभु श्री राम लला के दर्शन को लेकर के भावुक हुए सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी के गद्दी नशीन महंत प्रेम दास महाराज, आंखों से छलके आंसू, लंबी प्रतीक्षा के बाद भक्त जब अपने भगवान से मिलने का इंतजार करता है और कुछ ही दिन उसमें शेष होते हैं तो भावुकता आंखों के माध्यम से प्रकट हो जाती है यही हुआ जब प्रेस के सामने अपनी बात रखने के लिए हनुमानगढ़ी की गद्दी नशीन महंत प्रेम दास महाराज पहुंचे। भावुकता भरे शब्दों में उन्होंने बताया कि सदियों इंतजार के बाद अयोध्या के राजा हनुमान जी महाराज के प्रतिनिधि के रूप में अपने जन्म स्थान पर विराजमान श्री राम लला के दर्शन का ऐतिहासिक दिन अक्षय तृतीया 30 अप्रैल के दिन में लगभग 11 बजे होगा, भक्त और भगवान आमने—सामने होंगे और एक भक्त अपने प्रभु से जगत और जीव कल्याण की बात रखेगा। श्री महाराज जी ने बताया सुबह लगभग 7 बजे हनुमानगढ़ी के मुख्य द्वार से शाही निशान के साथ भव्य जुलूस क्रमश हनुमानगढ़ी के संतो की शोभायात्रा मुख्य मार्ग से सरयू जी पहुंचेगी जहां पर वैदिक विद्वान पूजन करेंगे हमारा स्नान होगा, उसकेबाद बाद शोभायात्रा पुराना परिक्रमा मार्ग जानकी महल, मणिराम छावनी होते हुए क्षीरेश्वर नाथ पहुंचेंगी वहां से रामलला के दर्शन के लिए जाएंगे राम रक्षा स्त्रोत का पाठ करेंगे प्रभु श्री राम लला की परिक्रमा करके, परिक्रमा का शुभारम्भ करूंगा छप्पन भोग लगेगा और उसके बाद पुनः हनुमानगढ़ी आऊंगा।

श्री महाराज जी प्रेस से बात करते हुए पूरे समय भावुक रहे इससे यह प्रतीत होता है कि श्री महाराज जी हनुमान जी जो प्रभु श्री राम के सबसे बड़े भक्त हैं अयोध्या के राजा हैं उनके प्रतिनिधि के रूप में कितनी जल्दी भक्त और भगवान का मिलन हो सके। श्री महाराज जी श्री राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े रहे 90 और 92 के आंदोलन में सक्रिय भूमिका रही, 2018 में हनुमानगढ़ी के गद्दी नशीन पद पर विराजमान हुए और तब से निरंतर हनुमान जी महाराज की सेवा कर रहे हैं, उन्हें के प्रेरणा पहले बार हनुमानगढ़ी से गद्दी नशीन महराज रामलला का दर्शन करेंगे। श्री महाराज जी ने बताया कि हमारा सौभाग्य है माता—पिता और गुरुदेव भगवान का आशीर्वाद है, कि पहली बार हनुमान जी के प्रतिनिधि के रूप में रामलला के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त होगा।

निश्चल भाव से प्रभु की सेवा और भजन करना चाहिए —रामेश्वर शरण

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या। त्याग तपस्या और वैराग्य की वैष्णो नगरी अयोध्या में श्री महंत विमला बिहारी शरण जी महाराज सिद्ध संतों में से एक थे जो गौ सेवा संत सेवा ब्राह्मण सेवा और दरिद्र नारायण की सेवा निरंतर करते रहते थे ऐसा माना जाता है कि जो भी व्यक्ति श्री महाराज जी के आश्रम नया घाट स्थित श्री युगल विनोद कुंज में पहुंचा वह खाली हाथ नहीं लौटा श्री महाराज जी उसकी इच्छाओं की पूर्ति करने का हर प्रयास करके ही भेजते थे। श्री युगल विनोद कुंज के वर्तमान पीठाधीश्वर रामायणी महंत रामेश्वर शरण जी महाराज ने बताया कि श्री महाराज जी की 28 वीं पुण्यतिथि उल्लास के साथ मनाई गई अयोध्या के संतो महंतों ने श्री महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। महंत रामेश्वर शरण जी महाराज ने बताया कि श्री महाराज जी अवध आसाम में सेवा को ही सर्वस्य मानते थे और निरंतर लोगों की सेवा आश्रम का विकास और ठाकुर जी की सेवा में ही लगे रहते थे उन्होंने बताया कि श्री महाराज जी बताते थे कि सेवा और भजन के लिए यह नश्वर शरीर प्रभु श्री राम ने हमें सौंपा है और हम बड़े सौभाग्य है कि उनकी जन्मस्थली में बास मिल रहा है। इसलिए निश्चल भाव से प्रभु की सेवा और भजन करना चाहिए। उन्होंने बताया कि श्रद्धांजलि सभा के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें अयोध्या के संतो महंतो ने प्रसाद पाया। अवसर पर मणिरामदास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमल नयन दास, जानकी घाट बड़ा स्थान के महंत जन्मेजय शरण, महामंडलेश्वर महंत गिरीश दास, त्यागी सीतारामदास, छविराम दास, रामायणी रामदास दयालु सहित सैकड़ों संतों महंतों ने श्री महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित की और प्रसाद पाया।

मौसम ने दी राहत, आसमान में छाया बादल

संवाददाता—बलरामपुर। रविवार को मौसम ने अचानक करवट ली। एक सप्ताह की तपती गर्मी के बाद आसमान में छाए बादलों ने लोगों को राहत दी। जिले का तापमान 41 से घटकर 31 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

पिछले एक सप्ताह से जिले में भीषण गर्मी का प्रकोप था। गर्मी और उमस से स्कूली बच्चों और कार्यालय जाने वाले कर्मचारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। किसान भी कृषि कार्यों को लेकर चिंतित थे। खेतों में काम करना मुश्किल हो गया था।

रविवार सुबह से आसमान में बादल छाए रहे। हल्की धूप के बीच गर्मी की तीव्रता काफी कम हो गई। लोगों ने ठंडी हवाओं का स्वागत किया। बच्चों और बुजुर्गों ने मौसम में आए इस बदलाव को राहतभरा बताया।

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में हल्की फुहारों या बूंदाबांदी की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्थिति खरीफ फसलों की बुआई के लिए अनुकूल रहेगी। इससे जमीन में नमी बढ़ेगी और किसानों को खेती के कार्यों में सहूलियत मिलेगी।

फिलहाल बलरामपुर के लोग गर्मी से मिली राहत का आनंद ले रहे हैं और आगामी बारिश का इंतजार कर रहे हैं।

नेपाल सीमा पर बढ़ी सुरक्षा, सोहेलवा जंगल में पुलिस, एसएसबी का संयुक्त गश्त, 46 गांवों पर विशेष नजर

संवाददाता—बलरामपुर। सोहेलवा जंगल में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है। नेपाल सीमा से लगे इस क्षेत्र में कीमती पेड़ों और जड़ी—बूटियों की तस्करी रोकने के लिए पुलिस और एसएसबी के जवान तैनात हैं। क्षेत्र में रोजाना एक हजार से अधिक लोगों की आवाजाही होती है। चेकपोस्टों पर लोगों के आधार कार्ड की जांच की जा रही है। संदिग्ध व्यक्तियों के पहचान पत्रों का स्थानीय थानों से सत्यापन कराया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के अनुसार, सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता की गई है। 220 स्थानीय लोगों को संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने की जिम्मेदारी दी गई है। बीट सिपाहियों को प्रतिदिन क्षेत्र की स्थिति की रिपोर्ट देनी होती है।

ग्रामीण बाजारों और जंगल के रास्तों पर संयुक्त गश्त जारी है। संवेदनशील इलाकों में अस्थायी कैंप लगाए गए हैं। नेपाल सीमा से सटे 46 गांवों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।

शनिवार को सीओ तुलसीपुर बृजनंदन राय, एसएसबी के असिस्टेंट कमांडेंट सुजीत कुमार और प्रभारी निरीक्षक जरवा गोविंद कुमार ने सीमावर्ती गांवों का दौरा किया। उन्होंने ग्रामीणों से सुरक्षा संबंधी फीडबैक लिया और उन्हें संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने के लिए प्रेरित किया। प्रशासन की सक्रियता और सुरक्षा एजेंसियों की मुस्तैदी से सीमावर्ती इलाकों में शांति का माहौल बना हुआ है।

बदहाल सड़कों पर मुश्किल हो रहा लोगों का सफर

संवाददाता—श्रावस्ती। मरम्मत के अभाव में ग्रामीण क्षेत्र की सड़कें बदहाल हैं। जगह जगह गड्ढे व उखड़ी डामर से लोगों को सफर करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। थोड़ी सी चूक पर राहगीर दुर्घटना के शिकार हो जा रहे हैं। सिरसिया विकास के गांवों को मुख्य मार्ग से जोड़ने वाली आधा दर्जन सड़कें जिम्मेदारों की उपेक्षा का दंश झेल रही हैं। सड़कों की बदहाली का आलम यह है कि लोगों को जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ रहा है। इसमें सबसे बड़ी समस्या सिरसिया से पड़वलिया मार्ग की बदहाल सड़क पर है। यह सड़क एक दशक से बदहाल पड़ी है। सड़क में जगह जगह गड्ढे हैं और जगह जगह ऊपर की डामर उखड़कर गायब हो चुकी है। बिखरी गिट्टियां लोगों के हादसे का कारण बन रही है। इस मार्ग से क्षेत्र के दो दर्जन से अधिक गांवों के लोग ब्लाक मुख्यालय सिरसिया पहुंचते हैं। जिला मुख्यालय तक जाने के लिए इसी सड़क का सहारा लेना पड़ता है। क्षेत्र की सबसे बड़ी बाजार सिरसिया है। ऐसे में प्रतिदिन काफी संख्या में लोगों का बाजार आना जाना होता है। ऐसे में इस बदहाल सड़क पर लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। गड्ढामुक्त अभियान के आदेश के बाद लोगों में सड़क के मरम्मत की आस थी। लेकिन जिम्मेदारों ने ध्यान देना मुनासबि नहीं समझा। जिसका नतीजा लोगों को भुगतना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि इस सड़क पर हाए दिन हादसे होते रहते हैं। सड़क पर बिखरी गिट्टियां, जगह जगह बने गड्ढे हादसों का कारण बनते हैं। इसे बाद भी सड़क की मरम्मत नहीं कराई जा रही है।

सिरसिया से बेचईपुरवा मुख्य मार्ग को मेड़किया गांव को जोड़ने वाली सड़क पूरी तरह बदहाल हो गई है। वर्ष 2015—16 में जिला पंचायत निधि से सड़क का निर्माण कराया गया था। जिसके बाद ग्रामीणों को आवागमन में सहूलियत मिली थी। गुणवत्तापूर्ण निर्माण न होने से सड़क कुछ ही दिनों में बदहाल हो गई थी। अब सड़क का वारंटी पीरियड भी पूरा हो गया है और सड़क पूरी तरह से बदहाल हो गई है। सड़क की डामर जगह जगह उखड़ी हुई है। गिट्टियां रास्ते पर बिखरी हुई है। ऐसे में लोगों को आवागमन करने में समस्या का सामना करना पड़ रहा है। चिल्हरिया मोड़ सिरसिया मुख्य मार्ग से गब्बापुर को जोड़ने वाली सड़क भी बदहाल है। सड़क में जगह जगह गड्ढे बने हुए हैं। ऊपर की गिट्टियां उखड़ी हुई हैं। इससे लोगों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। करीब दो किलोमीटर बदहाल इस सड़क पर आए दिन बाइक सवार गिट्टियों पर फिसलकर गिर जाते हैं। इसी तरह गब्बापुर ग्राम पंचायत के सेमरा गांवों को मुख्य मार्ग से जोड़ने वाली एक किलोमीटर लम्बी सड़क बीते एक दशक से बदहाल है। जगह जगह गड्ढे हैं और डामर उखड़ चुकी है। लोगों को आवागमन में समस्या हो रही है। भिनगा सिरसिया मुख्यमार्ग से लोहटी सम्पर्क मार्ग की सड़क बदहाल है। इस मार्ग पर बिशुनापुर गांव से लोहटी गांव तक करीब तीन किलोमीटर सड़क की हालत खस्ता है। जगह जगह गड्ढे हैं और डामर उखड़ चुकी है। लोगों को आवागमन में समस्या का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन सड़कों की मरम्मत नहीं कराई गई है।

डीएम ने की विकास कार्यों की समीक्षा

संवाददाता—बलरामपुर। डीएम पवन अग्रवाल ने कलेक्ट्रेट सभागार में 50 लाख रुपये से अधिक लागत की निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा की। बैठक में नई सड़कों का निर्माण और नहर विभाग के कार्यों पर चर्चा हुई।

डीएम ने सभी निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए भौतिक और वित्तीय प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिया कि अगली किस्त समय पर मिल सके, इसलिए उपभोग प्रमाण पत्र समय पर भेजा जाए।

शहरी क्षेत्रों में पेयजल परियोजना की धीमी प्रगति पर डीएम ने नाराजगी जताई। उन्होंने क्षतिग्रस्त सड़कों और सरकारी संपत्तियों की मरम्मत का आदेश दिया। लापरवाही बरतने वाली एजेंसियों को ब्लैकलिस्ट करने और एफआईआर दर्ज करने की चेतावनी भी दी।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्त, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डीईएसटीओ समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। डीएम ने सभी विभागों को निर्धारित समय में गुणवत्तापूर्ण काम पूरा करने का निर्देश दिया।

बीएसए कार्यालय पर प्रदर्शन की बनी रणनीति

संवाददाता—देवरिया। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने विभिन्न बीआरसी पर बैठक कर एक मई को बीएसए कार्यालय पर प्रदर्शन में शामिल होने की रणनीति पर चर्चा की। इसमें ब्लॉकस्तरीय पदाधिकारी व शिक्षक शामिल हुए। सभी ने एकस्वर से प्रदर्शन में हुंकार भरने का संकल्प लिया। बैतालपुर बीआरसी पर ब्लॉक अध्यक्ष संजय मिश्र ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा के आह्वान पर एक मई को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर 10 बजे से दो बजे तक धरना दिया जाएगा। इसके बाद शांतिपूर्ण रैली निकालकर कलक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा जाएगा। बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष राकेश चौबे, ब्लॉक मंत्री जयप्रकाश मणि, संघर्ष समिति के अध्यक्ष सूर्यकांत पांडेय, त्रिलोकी यादव, शिवानंद तिवारी, संदीप शेखर सिंह, जय प्रकाश आजाद, दिलीप गौड़, लाल साहब, योगेंद्र चौरसिया, सुषमा सिंह, रागिनी सिंह आदि उपस्थित रहे।

परिवार परामर्श केंद्र में तीन दंपतियों के बीच हुआ समझौता

संवाददाता—बलरामपुर। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक नम्रिता श्रीवास्तव के पर्यवेक्षण में पुलिस अधीक्षक कार्यालय के परिवार परामर्श केंद्र में तीन पारिवारिक विवादों का सफल समाधान किया गया।

परामर्श केंद्र में पति—पत्नी और उनके परिजनों के बीच सुलह—समझौता कराया गया। दोनों पक्षों ने स्वीकार किया कि अब उनके बीच कोई मनमुटाव नहीं है। उन्होंने अपने परिवार के साथ प्रेमपूर्वक जीवन बिताने की बात कही।

केंद्र के परामर्शदाताओं ने दंपतियों को बड़ों का सम्मान करते हुए नई शुरुआत करने की सलाह दी। इस सफल मध्यस्थता में परामर्शदाता अरुण कुमार यादव, देवतादीन दूबे, वंदना मिश्रा, तनवीर जहां, महिला थाना प्रभारी निरीक्षक विनीता चतुर्वेदी और महिला कांस्टेबल ज्योति व मनीषा का योगदान रहा।

सुलझाए गए मामलों में शिवानी वर्मा और विनोद वर्मा (कोतवाली नगर बलरामपुर), सेहरबानो और असगर अली (कोतवाली गैसडी बलरामपुर), तथा मोमिना और अरबाज अली (थाना श्रीदत्तगंज बलरामपुर) के पारिवारिक विवाद शामिल थे।

संदिग्ध परिस्थितियों में गड्ढे में पड़ा मिला महिला का शव

संवाददाता—बलरामपुर। सब्जी फसल की रखवाली करने गई महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में गड्ढे में पड़ा मिला है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मौके पर फोरेंसिक टीम ने जांच की है। मामला स्थानीय थाना क्षेत्र के अचकवा गांव का है। पुलिस एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। त्रिकोलिया के मजरे खजुरिया निवासी राम गोपाल यादव ने अचकवापुर में सब्जी खेती करने के लिए जमीन किराए पर ले रखी है। वह पिछले तीन साल से सब्जी की खेती करते हैं। शुक्रवार शाम राम गोपाल की 40 वर्षीय पत्नी गंगा देवी फसल की रखवाली करने गई थीं। वह रात में नहीं लौटी तो घर वालों को चिंता हुई। शनिवार देर शाम गंगा देवी का शव खेत के बगल गड्ढे पड़ा मिला, जिसमें केवल दो फीट पानी भरा था। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। कोतवाल सत्येन्द्र बहादुर सिंह ने घटना स्थल का जायजा लिया। फोरेंसिक टीम ने भी वैज्ञानिक ढंग से साक्ष्य जुटाए। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई आगे बढ़ेगी।

सड़क हादसे में महिला समेत दो की मौत

संवाददाता–संतकबीरनगर। धनघटा थाना क्षेत्र में राम जानकी मार्ग पर कटया मोड़ के पास एक सड़क हादसा हुआ। जिसमें हादसे में एक 70 वर्षीय महिला और 22 वर्षीय बाइक सवार युवक की मौत हो गई। कैलाशी देवी (70) अपनी रोजाना की तरह वॉक कर रही थीं। कटया मोड़ से घर लौटते समय एक तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि महिला की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद बाइक डिवाइडर से टकरा गई, जिससे बाइक सवार युवक की भी मौत हो गई। मृतक युवक अपने एक दोस्त की बहन की शादी में जा रहा था। उसके चाचा की शादी में चार दिन पहले ही उसे नई बाइक मिली थी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंचे। दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैसर मलौली ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कैलाशी देवी के परिवार पिछले तीन साल से हैंसर स्थित राम जानकी मार्ग पर ग्राम भंडा चौराहे के पास रह रहा था। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है।

एक राष्ट्र–एक चुनाव पर महिला संगोष्ठी का आयोजन

संवाददाता–संतकबीरनगर। हीरा लाल राम निवास इंटर कॉलेज खलीलाबाद में एक राष्ट्र–एक चुनाव विषय पर महिला संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि गोरखपुर की पूर्व मेयर डॉ. सत्या पांडेय ने भोजपुरी अंदाज में संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि एक साथ चुनाव कराने से समय और संसाधनों की बचत होगी। साथ ही शासन व्यवस्था अधिक सुचारू और स्थिर होगी। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ सोनी सिंह ने कहा कि इस व्यवस्था से महिला सशक्तिकरण को नई दिशा मिलेगी। जनप्रतिनिधि चुनावी व्यस्तता से बचकर जनता की समस्याओं पर ध्यान दे पाएंगे। जिलाध्यक्ष नीतू सिंह ने इस व्यवस्था को समय की आवश्यकता बताया।

पहलगाम हमले का पाकिस्तान को जवाब देने का समय आ गया है – ऊर्जा मंत्री

संवाददाता–संतकबीरनगर। उत्तर प्रदेश के नगर विकास व ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि निर्दोषों पर किया गया यह आतंकी हमला निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की भावनाओं को समझते हुए पाकिस्तान को जवाब देंगे। क्षेत्रीय उपाध्यक्ष संजीव राय के नेतृत्व में आयोजित हुआ कार्यक्रम।

मंत्री एके शर्मा वन नेशन वन इलेक्शन कार्यक्रम के तहत गोरखपुर में प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन को संबोधित करने जा रहे थे। रास्ते में संतकबीरनगर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। विधायक गणेश चौहान, विधायक अनिल त्रिपाठी, पूर्व सांसद अष्टभुजा शुक्ला समेत कई नेता मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन भाजपा के वरिष्ठ नेता देवेंद्र मिश्रा ने किया।

नगर पालिका अध्यक्ष जगत जायसवाल, हैंसर चेयरमैन प्रतिनिधि ा नीलमणि, जिला उपाध्यक्ष अमर राय, भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष वरिष्ठ नेता दीनदयाल सिंह, स्मृति चिन्ह देकर का स्वागत किया। मगहर चौकी के निकट चेयरमैन अनवरी बेगम के नेतृत्व में उनका स्वागत किया गया। उन्हें बुके, स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र भेंट किए गए। इस दौरान पूर्व चेयरमैन नुरुज्जमा अंसारी सहित कई स्थानीय नेता उपस्थित थे।

पीएचसी में स्वास्थ्य मेले का आयोजन, 103 मरीजों को मिला मुफ्त इलाज

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। भनवापुर ब्लॉक के पीएचसी तरहर, बिजौरा और सोहना में रविवार को जन आरोग्य स्वास्थ्य मेला लगा। मेले में 103 मरीजों का निःशुल्क इलाज किया गया। साथ ही मरीजों को दवाएं भी दी गईं। पीएचसी तरहर में डॉ. हनुमंत लाल मिश्रा ने 26 मरीजों की जांच की। पीएचसी बिजौरा में डॉ. इर्शदेव आर्य ने 31 मरीजों को देखा। पीएचसी सोहना में डॉ. सबीहा मलिक ने 46 मरीजों का इलाज किया। मेले में आए ज्यादातर मरीज खराश, खांसी और जोड़ों के दर्द से पीड़ित थे। इसके अलावा गैस्ट्राइटिस, एसिडिटी, पेट दर्द और फंगस संक्रमण के मरीज भी आए। अधीक्षक डॉ. शैलेंद्र मणि ओझा ने डायरिया से बचाव के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि डायरिया से शरीर में पानी की कमी हो सकती है। डॉ. डॉ. शैलेंद्र मणि ओझा ने लू से बचने के लिए दोपहर में बाहर न निकलने की सलाह दी। उन्होंने फलों का सेवन करने को कहा। संतरे, तरबूज, खरबूज, खीरा, ककड़ी और नींबू खाने की सलाह दी। साथ ही शुद्ध पानी पीने और संतुलित भोजन लेने पर जोर दिया। कार्यक्रम में पीएन त्रिपाठी, कौस्तुभ तिवारी, अश्वनी अग्रहरी, रवींद्र कुमार, अमित तिवारी, अखिलेश तिवारी, प्रिंस पांडेय, मनोज मिश्र और अंबुज श्रीवास्तव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

आतंकी हमले के बाद प्रशासन अलर्ट

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सिद्धार्थनगर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। 43वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल की सीमा चौकी ककरहवा के जवानों ने नेपाल एपीएफ के साथ सीमाई क्षेत्र में संयुक्त गश्त की। एसएसबी नेपाल एपीएफ, नेपाल पुलिस और उत्तर प्रदेश पुलिस के साथ मिलकर लगातार सीमाई क्षेत्र की निगरानी कर रही है। इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य सीमा पर असामाजिक तत्वों की गतिविधियों को रोकना है। साथ ही सीमाई क्षेत्र में शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखना और अवैध तस्करी पर रोक लगाना है। सुरक्षा एजेंसियां किसी तीसरे देश के नागरिकों की अवैध घुसपैठ को रोकने में जुटी हैं। एसएसबी भारत–नेपाल सीमा पर आने–जाने वाले लोगों, उनके सामान और वाहनों की गहन जांच कर रही है। आवागमन की अनुमति सख्त जांच के बाद ही दी जा रही है। सीमा चौकी ककरहवा के निरीक्षक राकेश मणिपाल के नेतृत्व में यह संयुक्त गश्त की गई। इस दौरान नेपाल एपीएफ से निरीक्षक नर वशिष्ट समेत 7 कार्मिक भी मौजूद रहे।

बूढ़ी राप्ती नदी में डूबे बाकी दोनों युवकों के भी शव मिले

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जोगिया कोतवाली क्षेत्र के कान्हें कुसुम गांव के पास से बही बूढ़ी राप्ती नदी में नहाने के दौरान तीन युवक डूब गए थे। उनमें दो बिहार के मोतिहारी जिला के थे जबकि एक कान्हें कुसुम गांव का निवासी था। एक शव को शुक्रवार को ही बरामद कर लिया गया था बाकी दो का पता नहीं चल सका था। रविवार को घटना स्थल से 50 मीटर दूर पानी में उतराता हुआ दोनों के शव मिले। शव मिलते ही मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस दोनों शवों का पोस्टमॉर्टम कराना चाह रही थी लेकिन कान्हें कुसम गांव निवासी मृतक के परिजनों ने शव का पोस्टमॉर्टम कराने से इंकार कर दिया। एक शव जो बिहार का रहने वाला था उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

कान्हें कुसुम गांव के पास से बही बूढ़ी राप्ती नदी में शुक्रवार को जुमा की नमाज पढ़ने के लिए नहाने गए बिहार के मातिहारी जिला निवासी सद्दाम, साहेब व कान्हें कुसुम गांव निवासी जमाल गए हुए थे। एक–एक कर तीनों डूब गए थे। शुक्रवार को ही स्थानीय गोताखोरों की तलाश में बिहार निवासी सद्दाम का शव तो बरामद हो गया था लेकिन वहीं के निवासी साहेब व कान्हें कुसुम गांव के रहने वाले जमाल का पता नहीं चल सका था। शनिवार को स्थानीय गोताखोरों के साथ एसडीआरएफ टीम ने भी सर्च आपरेशन चला था पर सुराग नहीं लग सका था। रविवार को दोनों युवकों का शव घटना स्थल से 50 मीटर दूर बूढ़ी राप्ती नदी के पानी में उतराता हुआ दिखाई तो काफी भीड़ जमा हो गई। मृतकों के परिजन भी पहुंच गए जहां कोहराम मच गया। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी। दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने लगी तो कान्हें कुसुम गांव निवासी मृतक के परिजनों से नहीं कराने को कहा और शव को अंतिम संस्कार के लिए सौंपने की अपील की। लिखा–पढ़ी के बाद पुलिस ने जमाल के शव को उनके परिजनों को सौंप दिया। बिहार निवासी युवक साहेब के शव को पोस्टमॉर्टम में भेज दिया है। जोगिया थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्र ने बताया कि नदी में डूबे दोनों युवकों की भी लाश बरामद हो गई है। कान्हें कुसुम गांव निवासी जमाल के शव का परिवार वाले पोस्टमॉर्टम नहीं चाहते थे उन्हें सौंप दिया गया है। बिहार के मातिहारी जिला निवासी साहेब के शव का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। बिहार के मोतिहारी जिला के रहने वाले सद्दाम व साहेब राजमिस्त्री थे। वह यहां काम करने आए थे। कान्हें कुसुम गांव निवासी जमाल भी उन्हीं लोगों के साथ मजदूरी करता था। जुमा की नमाज पढ़ने के लिए तीनों एक साथ बूढ़ी राप्ती नदी में नहाने गए थे जहां हादसे का शिकार हो गए थे।

कार्यालय ग्राम पंचायत-सुकरौली वि0ख0 गौर जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 28–04 2025 से 02–05–2025 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 02.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा प्राप्त कर जमा कर सकते है। दिनांक 03–05–2025 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 12.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढ़ा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंड़जा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईंट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्ते– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(दीनानाथ) ग्राम प्रधान **(वीरेन्द्र कुमार)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /26.04.2025 वित्तीय वर्ष 2025–26

कार्यालय ग्राम पंचायत-बाघाकाड़र वि0ख0 गौर जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 28–04 2025 से 03–05–2025 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 02.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा प्राप्त कर जमा कर सकते है। दिनांक 04–05–2025 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 12.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढ़ा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंड़जा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईंट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्ते– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(कुमारी अंजली यादव) ग्राम प्रधान **(वीरेन्द्र कुमार)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /26.04.2025 वित्तीय वर्ष 2025–26

कार्यालय ग्राम पंचायत-बक्सर वि0ख0 बस्ती सदर जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 28–04 2025 से 01–05–2025 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 02.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा प्राप्त कर जमा कर सकते है। दिनांक 02–05–2025 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 12.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढ़ा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंड़जा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईंट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्ते– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(महताब आलम) ग्राम प्रधान **(आन्नद कुमार सिंह)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /26.04.2025 वित्तीय वर्ष 2025–26

तेज आंधी और बूंदाबांदी के बीच कई जगह पेड़ धराशायी, बिजली गिरने से किशोरी की मौत

संवाददाता–अयोध्या। कई इलाकों में रविवार को सुबह से ही मौसम अचानक बदल गया। धूल भरी तेज आंधी और बूंदाबांदी के बीच कई स्थानों पर पेड़ गिरने से आवागमन बाधित हो गया। बिजली के तार टूटने से आपूर्ति ठप हो गई। वहीं एक जगह बिजली गिरने से किशोरी की मौत हो गई है। जिले के अलग–अलग इलाकों में मौसम का बदलाव देखने को मिला। कई इलाकों में धूल भरी आंधी चली। इसके चलते पेड़ और उनकी शाखाएं टूट कर गिर गईं। खेतों में काटकर रखे गए गेहूं के गट्ठर उड़ गए। इससे किसानों को नुकसान हुआ है।

बीकापुर के हैदरगंज क्षेत्र के पूरे मनोहर बेरूगंज गांव में बिजली गिरने से 15 वर्षीय किशोरी वैष्णवी की मौत हो गई। वह गेहूं के खेत में मड़ाई करने गई थी। इसी दौरान तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी शुरू हो गई। बिजली गिरने से वह इसकी चपेट में आ गई। खेत में मौजूद अन्य लोग बाल–बाल बच गए। किशोरी के परिवार में कोहराम मच गया। हैदरगंज थानाध्यक्ष विवेक राय मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इस बीच दोपहर 12रू00 के बाद शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में एक बार फिर धूल भरी आंधी आई। थोड़ी बूंदाबांदी भी हुई। हालांकि यह कुछ ही देर में थम गई। आसमान में अभी भी बादल छाए हुए हैं। हवा चलने से मौसम खुशनुमा है। तापमान में गिरावट आ गई है। लोगों को गर्मी से निजात मिल गई है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने मन की बात कार्यक्रम को सुना

संवाददाता–गोरखपुर। भाजपा कार्यकर्ताओं ने अलग–अलग स्थानों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात के 121 वें संस्करण को सुना। मिर्जापुर मंडल कजाकपुर में विधायक विपिन सिंह, शक्ति नगर में महानगर अध्यक्ष देवेश श्रीवास्तव ने कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात कार्यक्रम को सुना। महानगर अध्यक्ष देवेश श्रीवास्तव ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम में पीएम ने पहलगाम में हुए आतंकी घटना पर दुख जताया है। आतंकवाद पर पीएम मोदी के नेतृत्व में करारा चोट होगी। वहीं इन्द्रप्रस्थ नगर में महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, कल्याणपुर में पूर्व महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता, हुमायूंपुर में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष विश्वजिताशू सिंह आशु, दिलेजाकपुर में डॉ.सत्येंद्र सिन्हा, रामजानकी नगर में पुष्पदंत जैन, अंधियारी बाग में शशिकांत सिंह, लच्छीपुर में बृजेश मणि मिश्रा, महुईसुध ारपुर में अच्युतानंद शाही, शिवेंद्र मिश्रा, अभिषेक शर्मा, मोहन सिंह, आलोक सिंह विशेन आदि ने मन की बात कार्यक्रम को सुना।

सेंध काट कर लाखों का जेवरात उड़ा ले गए चोर

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के मन्नीजोत गांव में चोरों ने शनिवार की रात गांव के दक्षिण खेत में बने एक मकान में सेंध काट कर लाखों के जेवरात पर हाथ साफ कर लिया। घटना की जानकारी मकान मालिक रामकरन को रविवार की सुबह सोकर उठने के बाद हुई। त्रिलोकपुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की। मन्नीजोत गांव निवासी रामकरन ने बताया कि शनिवार की रात परिवार के साथ घर के बाहर और बरामदे में भोजन कर सो गए थे। रविवार की सुबह लगभग छह बजे जब घर के अंदर गए तो घर के अंदर उजाला दिखा जिसको देखकर हम बाहर आए तो देखा कि घर की दीवार में सेंध कटा है। अंदर जाकर देखा तो बॉक्स घर से गायब था। बॉक्स में हमारे पत्नी और बच्चों का जेवरात रखा था। उन्होंने कहा कि घर के पूरब तरफ तीन जगह चोरों ने सेंध ा काटकर अंदर जाने का प्रयास किया लेकिन अंदर से दीवार और अन्य सामान रखा होने के कारण अंदर नहीं जा पाए थे। चौथी बार घर के दक्षिण तरफ बड़ा सेंध काटे और उसी रास्ते से हमारे घर के अंदर आए और लाखों रुपये का जेवरात चुरा ले गए। उन्होंने बताया कि बाक्स में रखा कपड़ा घर से लगभग 500 मीटर दूर फेंक कर चले गए। सुबह खोजने पर हम लोगों को बिखरा हुआ मिला। उन्होंने बताया कि पुलिस को सूचना दे दी थी। पुलिस मौके पर आई है जांच पड़ताल कर रही है। पुलिस से सामानों की बरामदगी के साथ–साथ चोरों का पता लगाकर कार्रवाई करने की मांग की है। त्रिलोकपुर थानाध्यक्ष मृत्युंजय पाठक ने बताया कि चोरी के घटना की जानकारी है। मौके पर हल्का दरोगा और फोरेंसिक टीम पहुंच गई है छानबीन की जा रही है।

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती

उत्तराधिकार वाद सं0 86/2025

शाबिर–सायलान

1. शाबिर 2. अली हसन 3. इम्ताज अली 4. मुमताज अली 5. आफत अली पुत्रगण राज मोहम्मद 6. रेहाना पुत्री राज मोहम्मद

तारीख पेशी 02–05–2025

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 02–05–2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**

bhartiyabasti@gmail.com